चतुर्थ अध्याय

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय 4

प्रदत्तो का विश्लेषण एंव व्याख्या

4.1 भूमिका

शोध का एक प्रमुख हिस्सा विश्लेषित अभ्यास करके उससे परिणाम प्राप्त कर प्रदत्तों की व्याख्या करना होता है। सांख्यिकी का उपयोग हम प्रदत्तों का विश्लेषण एंव व्याख्या कर उनसे परिणाम प्राप्त करने हेतु करते हैं। प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्ता द्वारा बी. एससी. बी.एड. में अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन किया एवं उससे संबंधित कुछ कथनों को लिया जिसके आधार पर शोध कार्य किया।

प्रस्तुत शोध कार्य में जो प्रश्नावली तैयार की गई, उसमें शैक्षिक स्थिति से संबंधित कुछ कथनों को प्रश्नावली में लिया गया। जिसके आधार पर शोध कर्त्ता ने प्रदत्त संकलन किया एवं प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण इस अध्याय में किया गया है। जिसमें प्राप्त प्रदत्तों को वर्णनात्मक रूप में विद्यार्थियों के दृष्टिकोण के मुताबिक दर्शाया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन में दो उद्देश्य निर्धारित किए गए है वे उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. बी.एससी. बी.एड. में अध्ययनरत् छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना ।
2. लैंगिक परिप्रेक्ष्य से बी.एससी.बी.एड. में अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का विश्लेषण करना ।

उद्देश्य क्र. 1 बी.एससी. बी.एड. में अध्ययनरत् छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना ।

इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की सामान्य जानकारी प्रश्नावली के शुरूवात में ली गई है। इस जानकारी में सहोदरों की शैक्षिक स्थिती ज्ञात करना प्रमुख था। यह जानकारी निम्न तालिका में दी गई है।

तालिका क्र.– 4.1

सहोदरों की शैक्षिक स्थिति

शैक्षिक स्थिति	संख्या	प्रतिशत
अभियांत्रिकी	29	41.4
बी. एससी.	10	14.28
बी. कॉम.	09	12.8
एम. एससी.	05	7.14
बी. टेक.	06	8.5
एम. बी. ए.	03	4.2
बी. सी. ए.	03	4.2
चिकित्सक	02	2.8
एम. ए.	02	2.8
बी. आर्किटेक्चर	01	1.42
बी. प्लानिंग	01	1.42
पत्रकारिता	01	1.42
बी. एग्रीकल्चर	01	1.42
एम. सी. ए.	01	1.42
पॉलिटेक्निक	01	1.42

व्याख्या –

प्रस्तुत तालिका में सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का उल्लेख किया गया है। जिसके अंतर्गत अभियांत्रिकी विषय का अध्ययन करने वाले सहोदरों का प्रतिशत 41.4 हैं, जो कि अन्य विषयों की तुलना में सबसे अधिक है। एवं कुछ अन्य विषयों जैसे बी. एससी., बी. कॉम.,बी. टेक., एम. एससी.,एम. बी. ए., बी. सी. ए., चिकित्सक, एम. ए. बी.,आर्किटेक्चर,बी. प्लानिंग, पत्रकारिता, बी. एग्रीकल्चर, एम. सी. ए. और पॉलिटेक्निक में भी अध्ययनरत हैं। जो कि अन्य विषय की तुलना में कम हैं।

निष्कर्ष –

अतः अभियांत्रिकी विषय का अध्ययन करने वाले सहोदरों की संख्या अधिक है।

उद्देश्य क्र. 2 लैंगिक परिप्रेक्ष्य से बी. एससी. बी. एड. में अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का विश्लेषण करना ।

इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रश्नावली में आठ प्रश्न रखे गए थे । प्रश्नावार उनका विवेचन निम्नलिखित है–

प्रश्न 1 क्या बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रम आपने अपनी इच्छा से चुना है ?

तालिका क्र.– 4.2

बी. एससी. बी. एड. पाठ्यक्रम का इच्छानुसार चुनाव

इच्छानुसार पाठ्यक्रम चुनाव	संख्या	प्रतिशत
हाँ	53	75.71
नही	17	24.28

व्याख्या –

प्रस्तुत तालिका द्वारा यह ज्ञात होता है कि बी. एससी. बी.एड पाठ्यक्रम का इच्छानुसार चुनाव 75.71 प्रतिशत छात्राओं द्वारा किया गया। एंव 24.28 प्रतिशत छात्राओं द्वारा पाठ्यक्रम का, इच्छानुसार चुनाव, नहीं किया गया।

निष्कर्ष – अतः 75.71 प्रतिशत छात्राओं ने अपनी इच्छानुसार पाठ्यक्रम का चुनाव किया।

प्रश्न 2 यदि आपने स्वयं यह पाठ्यक्रम का चुनाव किया है तो उसके पीछे आपके विचार क्या थे ?

तालिका क्र.– 4.3

पाठ्यक्रम चुनाव के प्रति अपने विचार

पाठ्यक्रम चुनाव के प्रति अपने विचार	संख्या	प्रतिशत
शिक्षक बनना	46	86.79
रुचि	04	07.54
एकीकृत पाठ्यक्रम	03	05.66

व्याख्या –

उपरोक्त तालिका द्वारा यह ज्ञात होता है कि 86.79 प्रतिशत छात्राएँ शिक्षक बनने के लिए, 7.54 प्रतिशत छात्राएँ जिनकी रुचि इस पाठ्यक्रम में थी एंव 5.66 प्रतिशत छात्राएँ जिन्होंने बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश, एकीकृत पाठ्यक्रम होने के कारण लिया।

निष्कर्ष –

अर्थात् वे अधिकतर छात्राएँ जिन्होने बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है उनके विचार शिक्षक बनना है। अतः 86.79 प्रतिशत छात्रायें, इस पाठ्यक्रम में सफल होने के पश्चात् शिक्षक बनना चाहती है।

प्रश्न 3 यदि नही,तो किसके कहने या सुझाव पर आपने यह पाठ्यक्रम चुना है?

तालिका क्र.– 4.4

पाठ्क्रम चुनाव संबंधि सुझाव

सुझाव	संख्या
पिता /भाई	17

व्याख्या –

तालिका क्र. 4.2 में 24.28 प्रतिशत अर्थात् 17 छात्राओं ने इस पाठ्यक्रय का चुनाव अपने इच्छा से नही किया था। यह पाठ्यक्रम का चुनाव उन्होने अपने पिता या भाई के कहने से किया।

निष्कर्ष –

अतः अधिकतर छात्राओं ने पिता और भाई के कहने पर बी. एससी. बी.एड पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।

प्रश्न 4 यदि अभिभावकों के कहने से इस पाठ्यक्रम का चुनाव किया है तो उनके विचार क्या थे ?

तालिका क्र. – 4.5

अभिभावकों के द्वारा पाठ्यक्रम चुनाव करने के संबंध में विचार

अभिभावकों के पाठ्यक्रम चुनाव करने के संबंधी विचार	संख्या	प्रतिशत
शिक्षक बनना	8	11.42
आदरात्मक कार्य	5	7.14
सुरक्षित कार्य	5	7.14
एकीकृत पाठ्यक्रम	3	4.28
ज्ञानात्मक कार्य	2	2.85
कार्य समय	1	1.42
अनुशासन	1	1.42

व्याख्या –

प्रस्तुत तालिका में अभिभावकों के द्वारा पाठ्यक्रम चुनाव करने के संबंध में विचार प्रस्तुत किये गये है। तालिका में प्रस्तुत सारे बिंदु शिक्षक व्यवसाय से ही संबंधीत है। अभिभावकों ने 11.42 प्रतिशत शिक्षक बनने को प्रथमिकता दिये। एंव 7.14 प्रतिशत आदारात्मक कार्य और सुरक्षित कार्य दोनो को तथा ज्ञानात्मक कार्य,कार्य समय और अनुशासन का विचार भी पाठ्यक्रम का चुनाव करते समय अभिभावकों द्वारा दिए गए।

निष्कर्ष –

अतः अभिभावकों ने इस पाठ्यक्रम का चुनाव इसलिये करवाया की उनकी पुत्रीयाँ शिक्षक ही बने।

प्रश्न 5 क्या आप इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर संतुष्ट हो ?

तालिका क्र.– 4.6

छात्राओं द्वारा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर संतुष्टि

पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर संतुष्टि	संख्या	प्रतिशत
हाँ	65	92.85
नही	03	4.28
मध्य	02	2.85

व्याख्या –

प्रस्तुत तालिका से यह ज्ञात होता है कि 92.85 प्रतिशत छात्राएँ इस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाकर संतुष्ठ है। केवल 4.28 प्रतिशत छात्राएँ संतुष्ठ नही है। अतः तालिका क्र. 4.2 में 75. 71 प्रतिशत छात्राओं द्वारा पाठ्यक्रम का इच्छानुसार चुनाव सही दर्शित होता है।

निष्कर्ष –

अतः मुख्य रूप से छात्रायें बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर संतुष्ट हैं।

प्रश्न क्र. 6 यदि आप यह समझते है कि आपको पाठ्यक्रम का चुनाव करते समय स्वतंत्रता नही दी गई है तो आप अपनी इच्छानुसार कौन से पाठ्यक्रम का चुनाव करते?

तालिका क्र. – 4.7

पाठ्यक्रम चुनाव संबंधित स्वतंत्रता न देने पर इच्छानुसार पाठ्यक्रम का चुनाव

पाठ्यक्रम	संख्या	प्रतिशत
चिकित्सकी	09	34.61
अभियांत्रिकी	05	19.23
अनभिज्ञ	03	11.53
फैशन डिजाइन	01	3.84
बी. एससी.	01	3.84
बी. टेक.	01	3.84
नर्सिंग	01	3.84
खेल	01	3.84
बी. सी. ए.	01	3.84
लॉ	01	3.84
नृत्य	01	3.84
एम. बी. ए.	01	3.84

व्याख्या –

प्रस्तुत तालिका में यह ज्ञात होता है कि छात्राओं को पाठ्यक्रम का चुनाव करते समय स्वतंत्रता नही दी गई है वे अपने इच्छानुसार चिकित्सकी 34.61 प्रतिशत या अभियांत्रिकी 19.23 प्रतिशत उर्वरीत छात्रायें अन्य किसी पाठ्यक्रम का चुनाव करती।

निष्कर्ष –

अतः छात्राओं को स्वतंत्रता दी जाती तो वे चिकित्सकी या अभियांत्रिकी जैसे अन्य किसी पाठ्यक्रम का चुनाव करती।

प्रश्न 7 आपके भाई ने जिस पाठ्यक्रम का चुनाव किया, वह उसने किसके कहने या सुझाव पर किया।

तालिका क्र.– 4.8

भाई द्वारा पाठ्यक्रम का चुनाव संबंधित दिए गए सुझाव

सुझाव	संख्या	प्रतिशत
स्वयं द्वारा	58	82.58
पालक द्वारा	16	22.85
रुचि	05	7.14
मित्र	02	2.85

व्याख्या –

प्रस्तुत तालिका द्वारा यह प्रदर्शित होता हैं कि भाई द्वारा पाठ्यक्रम का चुनाव संबंधित सुझाव 82.58 प्रतिशत स्वंय द्वारा, 22.85 प्रतिशत पालक के कहने पर, 7.14 प्रतिशत रुचि होने पर एंव 2.85 प्रतिशत मित्र के कहने पर किया।

निष्कर्ष –

अर्थात् भाई को स्वयं द्वारा पाठ्यक्रम का चुनाव करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई।

प्रश्न 8 आप यह समझते है कि शिक्षण क्षेत्र में कार्य करना अन्य क्षेत्रो की तुलना में अधिक सुरक्षित है ? यदि हाँ तो क्यो ?

तालिका क्र.– 4.9

शिक्षण क्षेत्र में कार्य सुरक्षा

छात्राओं के जवाब	संख्या	प्रतिशत
हाँ	65	92.85
नहीं	05	7.14

व्याख्या –

छात्राओं द्वारा शिक्षण क्षेत्र में कार्य सुरक्षा के संबंध में 92.85 प्रतिशत जवाब हाँ और 7.14 प्रतिशत जवाब नहीं दिया गया।

निष्कर्ष –

अतः छात्राओं अनुसार शिक्षण क्षेत्र में कार्य करना अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक सुरक्षित है।

इसी प्रश्न के अंतर्गत शिक्षण क्षेत्र को सुरक्षित मानने का कारण भी पूछा गया था, उन छात्राओं द्वारा इस क्षेत्र को सुरक्षित मानने का कारण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका क्र. – 4.10

शिक्षण क्षेत्र में कार्य को, अधिक सुरक्षित मानने के कारण

कारण	संख्या	प्रतिशत
सुरक्षित कार्य	29	44.61
कार्य समय	15	23.07
समाजिक कार्य	10	15.38
ज्ञानात्मक कार्य	03	4.61
शिक्षण	02	3.07
कम मेहनत	02	3.07
संतोषजनक	02	3.07
आदरणीय कार्य	01	1.53
रोजगार	01	1.53

व्याख्या –

प्रस्तुत तालिका द्वारा ज्ञात होता है कि छात्राओं द्वारा शिक्षण क्षेत्र में कार्य करने को अधिक सुरक्षित मानने के निम्न कारण बताये गये हैं जिसमें सुरक्षा की दृष्टिकोण से 44.61 प्रतिशत, 23.07 प्रतिशत कार्य समय को, 15.38 प्रतिशत सामाजिक कार्य, ज्ञानात्मक कार्य को 4.61 प्रतिशत, और शिक्षण, कम मेहनत, संतोषजनक कारण को क्रमशः 3.07, 3.07 एवं 3.07 प्रतिशत प्रदान किया गया। आदरणीय कार्य एंव रोजगार को क्रमशः 1.53 एवं 1.53 प्रतिशत प्रदान किया गया।

निष्कर्ष –

अतः छात्राओं द्वारा शिक्षण क्षेत्र में कार्य करने को अधिक सुरक्षित, सुरक्षा की दृष्टिकोण से माना है और इस क्षेत्र में समय सीमा को भी महत्तव दिया गया है।

4.2 निष्कर्ष–

उपरोक्त प्रश्नावली में आठ प्रश्नों की विवेचना के आधार पर उद्देश्य क्र. 2 की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए –

1. अभियांत्रिकी विषय का अध्ययन करने वाले सहोदरों की संख्या अधिक है।

2. हालांकि 75.71 प्रतिशत छात्राओं ने अपनी इच्छानुसार पाठ्यक्रम का चुनाव किया अपितु यह चुनाव उन्होने पिता और भाई के कहने पर किया। अभिभावकों ने इस पाठ्यक्रम का चुनाव इसलिए करवाया कि उनकी पुत्रियाँ शिक्षक ही बनें। इसके विपरीत, अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि अधिकतर छात्राओं के सहोदर अभियांत्रिकी तथा चिकित्सा जैसे विषयों का अध्ययन कर रहे है या किया है। तथा उन्हें इन क्षेत्रों का चुनाव करने की स्वतंत्रता भी दी गई थी।

छात्राओं को अगर स्वयं पाठ्यक्रम का चुनाव करने की अनुमति दी जाती तो वे भी अपने सहोदरों जैसे चिकित्सकी, अभियांत्रिकी या अन्य किसी पाठ्यक्रम का चुनाव करती। अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि शिक्षक का पेशा सुरक्षित तथा निर्धारित समय सीमा वाला होने के कारण इस पेशे का चुनाव किया गया है।

अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अभिभावकों का उनके पुत्रियों को बी.एससी. बी. एड. पाठ्यक्रम में भेजने का निर्णय काफी हद तक लैंगिक दृष्टिकोण से पक्षपात पूर्ण है।